Debate on Depreciation of Rupee vers Dollar conducted at ICFAI University

September 21, 2018

प्रभात खबर

इक्फाई विश्वविद्यालय में वाद-विवाद प्रतियोगिता

रांची. इक्फाई विवि में शुक्रवार को डॉलर व रुपये के अवमूल्यन विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता हुई. इसमें प्रभाव व निवारण पर छात्रों व शिक्षकों ने विमर्श किया. विवि के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि वैश्विक विकास के कारण पिछले छह माह में विकासशील देशों की मुद्राओं में गिरावट आयी है, लेकिन भारतीय रुपया अधिक प्रभावित हुआ है. इस वजह से पेट्रोल व डीजल जैसे उत्पादों की बढ़ी हुई लागत से आम आदमी तथा उद्योग प्रभावित हुए हैं. प्रो राव ने कहा कि सरकार को इस स्थिति से उबरने के लिए अल्पकालिक अवधि के साथ-साथ दीर्घकालीन कदम उठाने होंगे. वाद-विवाद के दौरान अधिकांश छात्रों ने महसूस किया कि प्रतिदिन उपयोग में आनेवाली वस्तुओं की कीमतें बढ़ी हैं. निर्यात में सुधार होने पर कुछ सुधार होगा. मौके पर विजयी रहे छात्रों व शिक्षकों को पुरस्कृत भी किया गया. इस मौके पर विश्वकर्मा पूजा के दौरान पोस्टर व मॉडल प्रतियोगिता में विजयी रहे प्रतिभागियों को भी पुरस्कार दिये गये.

हिन्दुस्तान

रुपए के अवमूल्यन पर विद्यार्थियों ने रखे विचार

इक्फाई

रांची | प्रमुख संवाददाता

इक्फाई विश्वविद्यालय में 'डॉलर के मुकाबले रुपए का अवमूल्यन' विषय पर शुक्रवार को वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें शिक्षकों और छात्रों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए, कुलपति प्रो ओआरएस राव ने कहा कि वैश्विक विकास के कारण पिछले छह माह में विकासशील देशों की मुद्रा में गिरावट आई है। भारतीय रुपया इससे अधिक प्रभावित हुआ है, जिसके कारण पेट्रोल और डीजल जैसे उत्पादों की लागत बढ़ी है।

इक्फाई में शुक्रवार को हुई प्रतियोगिता की विजेता को पुरस्कृत करते शिक्षक।

स्थिति से उबरने के लिए अल्पकालिक अवधि के साथ-साथ दीर्घकालीन कदम उठाने होंगे। वाद-विवाद प्रतियोगिता में वस्तुओं की बढ़ती कीमतों का उठाने हुए समाधान के रूप में निर्यात में सुधार लाने

दैनिक भास्कर

सिटी ACTIVITY

इक्फाई विवि में रुपए के अवमूल्यन विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता

'रुपए की स्थिति में सुधार के लिए कई कदम उठाने की जरूरत'

सिटी रिपोर्टर | रांची

इक्फाई विवि में डॉलर के मुकाबले रुपए के अवमूल्यन विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। रुपए के अवमूल्यन के कारण, प्रभाव एवं इस परेशानी के निवारण के लिए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उपाय बताए। विवि के कुलपति प्रो. ओआरएस राव ने कहा कि वैश्विक विकास के कारण पिछले 6 महीने में विकासशील देशों की मुद्राओं में गिरावट आई है लेकिन भारतीय रुपया अधिक प्रभावित हुआ है। इस स्थिति से उबरने के लिए अल्पकालिक अवधि के साथ-साथ दीर्घकालीन कदम उठाए जाने की जरूरत है।

कार्यक्रम में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया

विद्यार्थियों ने इस बात पर भी जोर दिया कि रुपए के अवमूल्यन के कारण लोगों द्वारा रोज उपयोग की जानेवाली वस्तुओं की लागत बढ़ी है। इस कार्यक्रम में विजेता विद्यार्थियों और शिक्षकों को पुरस्कृत भी किया गया।

ऊर्जा के नए स्रोत अपनाना है जरूरी

विद्यार्थियों ने कहा कि रुपए के अवमूल्यन से उबरने के लिए आयात में कमी, उच्च सीमा शुल्क, और आवश्यक वस्तुओं पर निर्यात सब्सिडी योजना को लागू करना होगा। इस बात पर भी जोर दिया कि दीर्घकालीन उपायों में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों, विद्युत वाहन का प्रयोग, अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करने से रुपए के और ज्यादा अवमूल्यन से बचा जा सकता है।